मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKG–178

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.जी.–178 : प्राचीन भारतीय राजनीति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर किसी एक भाषा में दीजिए।

(iii) भाषा का माध्यम एक ही होना चाहिए।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए : $5 \times 10 = 50$

(i) वैदिक राजनैतिक चिन्तक के रूप में मनु, कौटिल्य, शुक्राचार्य एवं कामन्दक के विचारों पर प्रकाश डालिए।

(ii) राज्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए सभा एवं समिति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(iii) प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में वर्णित राजधर्म का वर्णन कीजिए।

(iv) कौटिल्य अर्थशास्त्र में वर्णित न्याय-व्यवस्था का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(v) प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में वर्णित 'पंचायत' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(vi) षड्गुण के सिद्धान्त का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(vii) प्राचीन राजनीतिक चिन्तन में वर्णित कर व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$5 \times 8 = 40$

(i) दण्डनीति एवं नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालिए।

(ii) राज्य के प्रकार का वर्णन कीजिए।

(iii) मत्स्य-न्याय पर प्रकाश डालिए।

(iv) मन्त्रिपरिषद् का परिचय देते हुए मन्त्री की योग्यता एवं मन्त्रिपरिषद् के कर्त्तव्य का वर्णन कीजिए।

(v) अर्थशास्त्र में वर्णित राजकीय न्यायालय : धर्मस्थीय एवं कण्टकशोधन पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'मनुस्मृति' के आधार पर राजा व दण्ड की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

(vii) निक्षेप पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ कीजिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) रामायणकालीन नगरसभा

(ख) दण्ड का महत्त्व

(ग) सप्तांग सिद्धान्त

(घ) मण्डल सिद्धान्त

× × × × ×